आचार्य गुरमीत सिंह

PROF. GURMEET SINGH

कुलपति, पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय

VICE-CHANCELLOR, PONDICHERRY UNIVERSITY

संदेश / MESSAGE

प्रिय शैक्षणिक एवं प्रशासनिक सहयोगियो एवं छात्रो,

आप सबको 14 सितंबर को 'हिंदी दिवस' के अवसर पर मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ ।

भाषा संप्रेषण का सशक्त माध्यम है । भावनाओं की अभिव्यक्ति के लिए भाषा सक्षम साधन भी है । भारत के बहु-भाषी परिवेश में एक संपर्क भाषा की बड़ी भूमिका होती है । हिंदी भारत की बहुप्रचलित भाषा होने के नाते वह संपर्क भाषा की भूमिका सहजतः निभा रही है । इसी दृष्टि से भारतीय संविधान में भारत संघ की राजभाषा के रूप में हिंदी को स्वीकृति मिली है । सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग इसी कारण जरूरी है।

संविधान के अनुच्छेद 351 के अनुसार संघ का यह कर्त्तव्य होगा कि वह हिंदी भाषा का प्रसार बढ़ाए उसका विकास करें जिससे वह भारत की सामासिक संस्कृति के सभी तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके। इस कर्त्तव्य की पूर्ति में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय एक शैक्षिक संस्था से जुड़े होने के नाते हमारी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है । केंद्रीय विश्वविद्यालय होने के नाते पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय का भी बड़ा कर्त्तव्य बनता है । सरकारी कामकाज में प्रयोग के साथ-साथ शैक्षिक कार्यक्रमों में हिंदी की प्रयोग-वृद्धि के लिए प्रयास करते हुए हम अपनी भूमिका निभा सकते हैं । विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और सभी ज्ञान शाखाओं में उच्च स्तरीय शोध परिणाम हम हिंदी में भी दे, तो उसका बहुत बड़ा फ़ायदा हो सकता है । हिंदी संपर्क भाषा होने की वजह से अधिक लोग उन शोध-परिणामों का लाभ उठा सकते हैं, दूसरी ओर अन्य भाषाओं में अनुवाद के लिए भी द्वार खुलेंगे । भारतीय भाषाओं की प्रयोग-वृद्धि का मार्ग सुगम होगा, जिससे उच्च शिक्षा के सुफल जन साधारण तक पहुँच सकते हैं ।

हमारे मौलिक चिंतन के लिए भारतीय भाषाएँ बड़ा संबल दे सकती हैं । हिंदी सहित हम अपनी भाषाओं के प्रयोग-प्रचार-प्रसार में हमें रुचि लेनी चाहिए । तो संविधान की मूल भावना की पूर्ति की दिशा में हम अपनी भूमिका इस रूप सुनिश्चित कर सकते हैं । 14 सितंबर, 2018 को 'हिंदी दिवस' और 12 सितंबर से 13 अक्तूबर, 2018 तक 'हिंदी मास' को पूरी निष्ठा के साथ हम मनाएंगे । इस अवसर पर आप सबको पुनः मेरी अग्रिम शुभकामनाएँ ।

गुरमीत सिंह

(गुरमीत सिंह)